भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3694
दिनांक 25 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

जनऔषधि केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता

3694. श्री सुरेश कुमार कश्यप:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री रवि किशन:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री बसंत कुमार पंडा:
सुश्री देबाश्री चौधरी:
श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी:
श्रीमती क्वीन ओझा:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री नलीन कुमार कटील:
श्री संजय सेठ:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री शंकर लालवानी:
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री संजय सदाशिव राव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनऔषधि केंद्र पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार की दवाओं/जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और खपत का ब्यौरा क्या है और अन्य केमिस्ट की दुकानों की तुलना में उनके मूल्य में कितना अंतर है;

(ख) देश में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत लाभार्थियों की संख्या, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने देश में जनऔषधि केंद्र खोलने के अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान देश भर में पीएमबीजेपी के तहत आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) चौथे जनऔषधि दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न आयोजनों और गतिविधियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या देश में गरीब लोगों को सस्ती और सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए और अधिक जनऔषधि केंद्र खोलने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)

(क): प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के उत्पाद समूह में लगभग 1,616 दवाइयां और 250 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं, जो देश भर में 8,600 कार्यरत्त से अधिक प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। उत्पाद समूह में सभी प्रमुख चिकित्सीय समूह जैसे कार्डियोवैस्कुलर, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, संक्रामक-रोधी, एलर्जी-रोधी, गैस्ट्रो-आंत्र दवाइयां, न्यूट्रास्यूटिकल इत्यादि शामिल हैं। इस योजना के तहत किसी दवा का मूल्य शीर्ष तीन ब्रांडेड दवाइयों के औसत मूल्य के अधिकतम 50% के सिद्धांत पर निर्धारित किया जाता है। इसलिए, जन औषधि दवाओं का मूल्य कम से कम 50% और कुछ मामलों में ब्रांडेड दवाइयों के बाजार मूल्य का 80% से 90% तक वहनीय है।

(ख) और (ग): एक महीने में, लगभग 1.25 से 1.50 करोड़ लोग औसतन देश भर में 8,600 से अधिक पीएमबीजेके से दवा खरीदते हैं। योजना के तहत पीएमबीजेके खोलने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित समय सीमा के भीतर हासिल कर लिया गया है। वर्तमान वित्त वर्ष अर्थात 2021-22 के अंत तक, 8,300 पीएमबीजेके खोलने का लक्ष्य वर्ष 2021 के सितंबर महीने में पहले ही हासिल कर लिया गया है। दिनांक 28.02.2022 तक, देश के सभी जिलों को कवर करते हुए लगभग 8,689 पीएमबीजेके खोले गए हैं। पीएमबीजेके की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची **अनुबंध** के रूप में संलग्न है।

(घ)**:** वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 के लिए योजना के तहत स्वीकृत, आबंटित और प्रयुक्त निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

(रुपये करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	**आबंटित निधियां**	**प्रयुक्त निधियां**
2019-20	35.51	35.51
2020-21	65.00	65.00
2021-22 (दिनांक 28.02.022 तक की स्थिति के अनुसार)	68.50	64.65

योजना के तहत कोई राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विशिष्ट बजट आबंटन नहीं किया गया।

(ङ): चौथा जन औषधि दिवस दिनांक 1 मार्च, 2022 से 7 मार्च, 2022 तक मनाया गया। सप्ताह भर चलने वाले उत्सव के दौरान, पीएमबीजेके के मालिकों, लाभार्थियों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, डॉक्टरों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, नर्सों, फार्मासिस्ट, जन औषधि मित्र और अन्य हितधारकों के

समन्वय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देश भर में आयोजित की जाने वाली दिन-वार गतिविधियां इस प्रकार हैं:

तारीख	**गतिविधि**
01.03.2022	जन औषधि संकल्प पदयात्रा
02.03.2022	मातृ शक्ति सम्मान/स्वाभिमान
03.03.2022	जन औषधि बाल मित्र
04.03.2022	जन औषधि जन जागरण अभियान
05.03.2022	आओ जन औषधि मित्र बने
06.03.2022	जन औषधि जन आरोग्य मेला (स्वास्थ्य जांच शिविर)
07.03.2022	जन औषधि दिवस

'जन औषधि दिवस' का मुख्य कार्यक्रम दिनांक 7 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया था, जिसमें माननीय प्रधान मंत्री ने विभिन्न स्थानों पर लाभार्थियों और केंद्र मालिकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की और साथ ही नागरिकों को संबोधित किया ।

(च): सरकार ने मार्च, 2025 तक पूरे देश में 10,500 पीएमबीजेके खोलने का लक्ष्य रखा है।

*****